Hindi Murli Quiz 14-06-2015

.

Q.1) **Q. निम्नलिखित वाक्य सही हैं अथवा गलत हैं ,चयन करें---**
“होली हँसों के बुद्धि का भोजन ज्ञान रत्न हैं इसलिए आप होली हँस अमृतबेले से बाप-दादा के साथ रूह-रूहान वा मिलन द्वारा ज्ञान रत्नों व शक्तियों को धारण करते हो। फिर सारा दिन मनन शक्ति द्वारा धारण किये हुए रत्नों को व शक्तियों को अपने जीवन में धारण कर फिर औरों को कराते हो। अमृतवेले मिलन मनाने की शक्ति, धारण करने की शक्ति और बाप की रोज शुद्ध संकल्प रूपी प्रेरणा को कैच करने की शक्ति सबसे ज्यादा आवश्यक हैं ।“

A. True
B. False

Q.2) **Q. Q. अमृतवेले का समय ऑफीशियल नहीं है। उस समय बापदादा भोले-भण्डारी के रूप में होता है और बच्चों के साथ सब बातों के लिए फ्री हैं । मुरली में दी गयी उन सभी बातों का चयन करो ----**

A. हर बच्चे से जी-भर करके बातें करने के लिए,
B. बच्चों की फरियाद सुनने के लिए,
C. बच्चों की कमजोरी मिटाने के लिए,
D. अनेक प्रकार के पाप बख्शाने के लिए,
E. बच्चों को लाड़-प्यार देने के लिए ।

Q.3) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	चारों ओर के व्यक्ति निश्चय बुद्धि आत्माओं को देख समझते हैं,	1	उनके द्वारा वायुमण्डल शुद्ध होता जाता है।
B	जो सदा निश्चय बुद्धि होकर विजयी रहते हैं,	2	कि इनको कुछ मिला है—यह भी मन्सा सेवा हैं ।
C	अटेन्शन रूपी चौकीदार सुजाग हों तो माया से सदा सेफ रहेंगे।	3	इसलिए सदा जागती ज्योत बनो ।
D	जो सदा स्वदर्शन चक्रधारी हैं,	4	वह अनेक प्रकार के माया के चक्रों से मुक्त रहते हैं।

Q.4) **Q. रोज अमृतवेले बापदादा विशेष बच्चों के प्रति सर्व खजानों से झोली भरने वाले भोले भण्डारी के रूप में और मिलन मनाने के लिए सर्व सम्बन्धों के स्नेह सम्पन्न स्वरूप में होते हैं। उस समय जो भी चाहो प्राप्त कर सकते हो। परन्तु कुछ बच्चे अलबेलेपन, आलस्य और व्यर्थ संकल्पों रुपी माया के कारण इस गोल्डन चान्स को गवाँ देते हैं । इससे होने वाले नुकसानों का चयन करें ---**

A. अमृतवेले के ऐसे गोल्डन चान्स को गँवाने से बच्चे सहज प्राप्ति से वंचित हो जाते हैं ।
B. उनका सारा दिन का कमजोर फाउन्डेशन हो जाता है।
C. फाउन्डेशन कमजोर होने के कारण मेहनत ज्यादा करनी पड़ती, प्राप्ति कम होती है।
D. चलते-चलते थकावट अनुभव करते हैं और दिलशिकस्त हो जाते हैं।
E. वे वर्तमान की प्राप्ति को छोड़ भविष्य को देखते हैं।

Q.5) **Q. "वर्तमान प्राप्ति की लिस्ट सदा सामने रखो, तो दिल-शिकस्त होने के बजाए दिल-खुश हो जायेंगे। वर्तमान से किनारा नहीं करो। माया की बहानेबाजी को पहचानो जिसके कारण वरदान के रूप में जो प्राप्ति करनी चाहिए उसकी बजाए मेहनत कर प्राप्ति करने में लग जाते हो इसलिए अमृतवेले की सहज प्राप्ति की बेला को जानते हुए उसका लाभ उठाओ। खुले भण्डारों से प्रारब्ध की झोली भर लो, वरदाता और भाग्य विधाता से अमृतवेले के समय जो तकदीर की रेखा खिंचवाना चाहो, वह लव के आधार से खिंचवा लो। बाप-दादा की खुली आफर है !"**

A. True
B. False

Q.6) **Q. अमृतवेला सहज पुरुषार्थ का समय है। मुरली अनुसार इस का उपयोग कैसे करें और उससे होने वाले लाभ क्या हैं, इस विषय पर सही वाक्यों का चयन करें --**

A. ☐ अमृतवेला ऑख खुलते ही सेकेण्ड में जम्प लगाकर बाप के साथ अधिकार के तख़्त पर बैठ जाओ।
B. ☐ उस समय सिर्फ एक संकल्प करो कि जो भी हूँ, जैसी भी हूँ, आपकी हूँ।
C. ☐ संकल्प और बुद्धि अर्थात् मन और बुद्धि बाप के हवाले कर दो।
D. ☐ अधिकार के तख्त पर बैठे हुए होने के कारण जो बाप के खजाने सो आपके खजाने अनुभव होंगे।
E. ☐ थोड़े समय के अधिकार के तख्तनिवासी होने से भी जो चाहो वह बना सकते हो।

Q.7) **Q.शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	सदा बाप द्वारा की गई महिमा का सुमिरण कर हार्षित रहो,	1	सभी को ठिकाना देना।
B	जो स्वप्न में भी नही सोचा था वह साकार स्वरूप में अनुभव कर रहे हो,	2	इसीलिए बापदादा सभी बच्चों को लकी सितारे कहते हैं।
C	तुम अब पुरानी दुनिया के निवासी नहीं हो, संगमयुगी निवासी हो।	3	दोनों का बैलेन्स चाहिए।
D	पुरूषार्थ में स्व की उन्नति और सेवा की वृद्धि,	4	इसलिए संकल्प से भी पुरानी दुनिया में नहीं जाना।
E	रहमदिल बाप के रहम दिल बच्चों का कर्तव्य है,	5	इसी सुमिरण में समर्थी समाई हुई है।

Q.8) **Q. "जो भी सम्पर्क में आये उसे बाप का परिचय जरूर देना। जैसे कोई घर में आता है तो उसे पानी तो पूछा जाता है ना! अगर ऐसे ही चला जाये तो बुरा समझते हैं ना! ऐसे ही सम्पर्क में जो भी आये तो उसे बाप के परिचय का पानी जरूर पूछो। थोड़ा सुनाया तो पानी पूछा - सप्ताह कोर्स कराया तो ब्रहमा भोजन कराया। कुछ न कुछ देना जरूर क्योंकि दाता के बच्चे हो।"**

A. ○ True
B. ○ False

Q.9) **Q. "वर्तमान समय बाप द्वारा सभी बच्चों को -------------- मिलता है, अभी का यह ------------- अनेक जन्मों के लिए ---------- प्राप्त कराता है। विश्व कल्याण की जिम्मेवारी का ताज और बापदादा का दिलतख्त सदा कायम रहे तो निरन्तर स्वत:योगी बन जायेंगे। क्योंकि जहाँ प्राप्ति होती है वहाँ स्वत:याद होती है।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से तीनो रिक्त स्थान भरें]

A. ○ ताज और तख्त
B. ○ तिलक और तख़्त
C. ○ स्वदर्शनचक्र और तख़्त
D. ○ छत्रछाया और तिलक

Q.10) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ----**
"प्लेन बुद्धि से ---------- को प्रैक्टिकल में लाओ तो सफलता समाई हुई है।"